

Living the Lotus

New Year's Issue

Buddhism in Everyday Life

2021

年頭法話

हम चिन्तन और सृजन करें

निच्चिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

कोविद-19 महामारी हमें पुनर्विचार करने का अवसर प्रदान करता है
कि वह क्या है जिस पर मानव प्राणी को सर्वाधिक महत्व देना चाहिए।



मैं आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएँ देता हूँ।

बीते वर्ष नया कोरोना वायरस महामारी का प्रसार देखा, जिसका हमारे दैनिक जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। इस वायरस से लगभग 1.6 मिलियन लोग अपनी जान गँवा चुके हैं। मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहूँगा।

निरोधक उपायों को पूरी तरह से अपनाने के लिए, रिश्शो कोसेइ काइ ने अपने टोक्यो मुख्यालय परिसर के ग्रेट सेक्रेड हॉल के साथ-साथ जापान के सभी धर्म केंद्रों को बंद कर दिया है। इसके अतिरिक्त, हमने अपनी अधिकांश गतिविधियों को निलंबित या स्थगित कर दिया है।

फिर भी इसने हममें से प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित किया है, जिससे हमें अपने दैनिक जीवन के हर पहलू, जैसे कि हमारे काम करने के तरीके, हमारी शिक्षा, हमारे बच्चों के लालन - पालन, उनकी देखभाल और पारिवारिक मामलों में नए दृष्टिकोण अपनाने पड़े हैं।

कई लोगों की आय बहुत कम हो गई है या नौकरी चली गयी है या अपने व्यवसाय को बंद करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। यह विशेष रूप से ऐसे समय में हुआ है, जब मैं आपको धर्म के कल्याण मित्र के और संस्थान के सदस्य के रूप में एक दूसरे के साथ सहयोग और सहायता करने की भावना से दूसरों की मदद करने के लिए अनुनय करता हूँ।



मैं इस कोविद-19 महामारी को हम लोगों के लिए एक अवसर के रूप में देखता हूँ यह पुनर्विचार करना है कि मनुष्य को वास्तव में सबसे अधिक क्या चाहिए।

जापानी कैरेक्टर 省 (shō) के दो अर्थ हैं, जो संदर्भ पर निर्भर करता है – “सोचविचार करना” और “अन्त करना”। मेरा मानना है कि कोविद-19 महामारी के समय में हर दिन के जीवन से हमें पता चलता है कि हमें किन चीजों पर सोचविचार करना चाहिए, और किन चीजों का अंत करना चाहिए।

एक सर्वेक्षण के अनुसार, जब लोगों से पूछा गया कि क्या उन्होंने कोविद-19 की व्यापकता के कारण किसी नई जीवन शैली या व्यवहार को अपनाया है, तो सबसे आम उत्तर (74 %) था “मैं अपने परिवार की अच्छी देखभाल करना चाहता हूँ।” दूसरी ओर, घरेलू कलह और तथाकथित “कोरोना तलाक” के मामले बढ़ गए हैं।

इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, मैं 2021 के लिए अपना दिशानिर्देश इस तरह प्रस्तुत करता हूँ।

कोविद-19 महामारी के कारण, हमारी जीवनशैली 2020 में कुछ बदलाव आये हैं। बहुत से लोग घर पर ही रह रहे हैं - स्वयं को क्वारण्टाइन कर घर से काम कर रहे हैं। परिवार का सही मूल्य मापा गया है।

इस वर्ष के मार्च में रिश्शो कोसेइ काइ अपनी तिरासीवीं वर्षगाँठ मनाएगा। हम पिछले वर्ष की तरह ही अपने दैनिक जीवन में स्वयं को क्वारण्टाइन कर दे रहे हैं, हमें अपने विश्वास के माध्यम से पति और पत्नी के रूप में, “पिता और माता” के रूप में, और माता-पिता के रूप में, युवा लड़कों और लड़कियों को प्रोत्साहित करना चाहिए, साथ ही साथ वयस्क लोगों को, जिनके ऊपर अगली पीढ़ी का भार है और जिनका उद्देश्य उनके चरित्र को आकार देना है। हमें अपने पारिवारिक संबंधों को बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हम सभी अपने परिवार को एक साथ रखने के लिए रचनात्मक और ईमानदारी से काम करेंगे।

“पतियों और पत्नियों” से मेरा मतलब युवा जोड़ों से है। “माता और पिता” से मतलब हम में से वे हैं, जो अभी जीवन में क्रियाशील हैं और “माता-पिता” वे हैं जो वृद्ध हैं। प्रत्येक अपने अनुभवों को अपने बच्चों और पौत्र-पौत्रियों के साथ-साथ अपनी पुत्रवधुओं और जमाताओं से भी साझा करना चाहिए। मेरा विचार है कि सभी पीढ़ियों के व्यक्ति बच्चों और युवाओं के भरण-पोषण में सहायता करने के लिए भरपूर कोशिश करेंगे।

पिछले वर्ष नवम्बर में रिश्शो कोसेइ काइ के निदेशकों और नेताओं की वार्षिक बैठक में मुझे धर्म केन्द्रों के सभी मंत्रियों को इन दिशानिर्देशों को समझाने का अवसर मिला। उस अवसर पर मैंने मासाहिरो यासुओका (1898-1983) के काम को उद्धृत किया, जो पूर्वी दर्शन के प्रसिद्ध अधिकारी थे। मैंने जो उद्धृत किया था, उसका सारांश निम्नलिखित है:

घर में, बच्चे पिता का सम्मान करते हैं और उनसे सम्मान करना सीखते हैं। वे माता से प्यार करना सीखते हैं। सम्मान करने का अर्थ है, स्वयं का सम्मान करना और दूसरों के प्रति सम्मानजनक भाव रखना। यह ऐसा भाव है जो किसी ऐसी चीज की ओर उठता है जिसे उच्च, महा या अति उत्कृष्ट माना जाता है। दूसरे शब्दों में, यह प्रगति और सुधार करने की इच्छा की भावना है।

आजकल, हालाँकि, माता के प्रति प्यार पर बल दिया गया है, लेकिन पिता के लिए सम्मान लुप्त हो गया है। इन दिनों पिता अपने काम पर केंद्रित होते हैं और अपने घर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। वे अपने घर के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं, जैसे कि वे विश्राम घर हों, और वे अक्सरमात् दिखाई पड़ गये हैं। क्योंकि उन्हें इस बात से शर्म आती है, वे कुछ अनुशासन का पालन करने लगे हैं। “सम्मान” और “शर्म” मनुष्य के लिए मौलिक महत्व का है।

बच्चे विशुद्ध, हंसमुख और ओजस्वी प्राणी हैं। वे अपने माता-पिता से कुछ और की तुलना में अधिक सीखते हैं। यदि माता-पिता चुप रहते हैं, तो दूसरे शब्दों में, यदि वे इस बात के उदाहरण हैं कि कैसे

व्यवहार नहीं किया जाता है, तो इससे बच्चों के भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस कारण से, माता और पिता को अभिभावक की अपनी मूल भूमिका को फिर से आरंभ करना चाहिए।

मैंने निम्नलिखित उद्धरण देकर निष्कर्ष निकाला है। “पिता को बच्चे के लिए रोल मॉडल होना चाहिए। माँ को बच्चे के लिए करुणा का केन्द्र होना चाहिए। ऐसा इसलिए है, क्योंकि परिवार बीज के लिए क्यारी की तरह है, जो उन अंकुरों का पोषण करता है, जो बच्चे हैं।”

यह वही है जिस पर हमें लगातार सावधानी से काम करना चाहिए। रिश्थो कोसेइ काइ के भीतर भी कई बार ऐसा हुआ है, जब अपने प्रचार प्रसार की गतिविधियों की गर्मी में, हमने अपने परिवार की देखभाल की उपेक्षा की है। मुझे लगता है कि अब से अपने धर्म मिशन और अपने परिवार दोनों पर महत्व रखने वाली भक्ति का अभ्यास करना वाँछनीय होगा।

हमें भविष्य की देखभाल करने वाले युवाओं के चरित्र

का पोषण कैसे करना चाहिए ?

मैंने आप सभी से कहा है कि हमारा महत्वपूर्ण मिशन, प्राथमिक लक्ष्य, मानव संसाधन का विकास है या मानव का उत्थान है, जिसके लिए हमें सारे प्रयास करने चाहिए।

इसकी पहली जड़ परिवार के भीतर घर पर मिलनेवाली शिक्षा है। क्योंकि ज्ञानी परिवार का शासन (पारिवारिक रिश्तों को क्रम में रखने लिए) अनुशासन के साथ-साथ ठोस चरित्र निर्माण भी प्रदान करता है, यह सार्वजनिक शिक्षा (स्कूलों) की वृद्धि में योग देता है, और यह सच्चे अर्थ में “मानव प्राणी के परवरिश” के साथ सम्बन्ध रखता है।

मैंने आपको पहले बताया है कि वास्तव में पारिवारिक रिश्तों को क्रम में रखने के लिए, यह आवश्यक है कि हमारे घरों में पारिवारिक जीवन के केंद्र के रूप में एक बौद्ध वेदी हो और हम घर के लिए “तीन प्रथाओं” का पालन करें - हम हर सुबह अभिवादन का आदान प्रदान करें, जब हम से बात की जाती है, हमें स्पष्ट और सकारात्मक उत्तर देना है, और अपने जूते उतारने के बाद बड़े करीने से रखना है। इन मूल नियमों का पालन करने से मानवीय शिक्षा का आधार बनेगा।

इसके अलावा, युवा के विकास की प्रगति में सबसे बुनियादी कारक यह महत्वपूर्ण मुद्दा है कि माता-पिता अपने बच्चों को कैसे देखते हैं।

परंपरागत रूप से, जापान में यह प्रथा थी कि बच्चों को देवताओं और बुद्ध का आशीर्वाद माना जाता था। उपहार के रूप में उनका स्वागत किया गया और आश्चर्य की भावना के साथ परवरिश किया जाता है।

कुछ समय पहले मुझे निगाता प्रान्त के निगाता शहर के केइवा गाकुएन हाई स्कूल के पहले अध्यक्ष तोशियो ओता की पुस्तक को पढ़ने का आनंद मिला। ऐसा लगता है कि श्री ओता, जो ईसाई हैं, बीमार थे और अक्सर एक बच्चे की तरह परेशान करते थे। वे लिखते हैं कि ऐसे समय में उनकी माँ ने उन्हें निम्नलिखित बातें बताकर उन्हें दिलासा दिया।

“अभी आप शारीरिक रूप से कमज़ोर हैं, और इसलिए आप अपने ऊपर जोर नहीं दे सकते हैं। लेकिन बस आप इंतज़ार करें! आप अच्छी तरह विकसित होने जा रहे हैं, और वह दिन आएगा जब आप भगवान का काम करेंगे। मेरा मानना है कि वह दिन आ जाएगा, इसलिए मैं बहुत चिंतित नहीं हूँ। अभी के लिए, जब लोग आपको भयाभिभूत करते हैं और आप रोते हैं। तो इसे हवा में उड़ा दें। रोना बुरा नहीं है।”

श्री ओता ने याद दिलाया कि किशोरावस्था के बाद से, उनकी इच्छा अपनी माँ का भरोसा बनने की थी।





मैं उनकी माँ की कहानी से अभिभूत हूँ, जिसने अपने बेटे की प्रशंसा की और मानती है कि वे भगवान का मिशन लेकर पैदा हुए हैं।

अक्सर कहा जाता है कि “बच्चे अपने माता-पिता के उदाहरण से सीखते हैं।” माता-पिता के अच्छे या बुरे सब कुछ बच्चों को प्रभावित करते हैं।

चीनी राजनेता शिए आन के संबंध में एक पुराना किस्सा है, जो जिन राजवंश (260-420 ईस्वी) के दौरान थे। उनकी पत्नी अपने बच्चों की शिक्षा के लिए समर्पित थी। उसने उनसे पूछा, “तुम बच्चों को शिक्षित करने में कोई दिलचस्पी क्यों नहीं दिखाते हो?” जिस पर उनका जवाब था, “मैं बच्चों को लगातार पढ़ाता हूँ। हालाँकि मैं मौखिक रूप से या अपने हाथों से ऐसा नहीं करता, मेरा मानना है कि मैं उन्हें अपने पूरे शरीर के साथ सिखाता हूँ।” उन्हें नाक में दम करने या डौंटे फटकारने या उन पर अनुशासन करने के बजाय, वह उदाहरण है जिसे हम अपने दैनिक जीवन में बताते हैं, जो बच्चों की शिक्षा का आधार है।

एक किस्सा जापान की युद्धरत राज्यों की अवधि (1467-1615) के प्रसिद्ध सरदार होसोकावा युसाइ के बारे में भी है। ऐसा कहा जाता है कि अपने घटते वर्षों में, जब उनका जेष्ठ पुत्र आएँगे, तो वे उससे अनौपचारिक रूप से और गर्मजोशी से मिलेंगे, लेकिन जब उनका युवा पौत्र आएँगे, तो वे उससे औपचारिक रूप से मुलाकात करेगा। जब उनका मुख्य अनुचर ने उनसे पूछा कि क्यों? होसोकावा ने जवाब दिया, “चूँकि वह कुछ महान करने जा रहा है, इसलिए उसे प्राप्त होने पर सम्मान से स्वागत करूँगा।”

मेरे अपने परिवार में, हमारे दिवंगत संस्थापक प्रातः के सूत्र पाठ और मुख्यालय जाने के लिए घर से निकलने के समय से अपरिवर्तित दिनचर्या में व्यस्त रहते थे। हम बच्चे कभी-कभी प्रातः और संध्या के सूत्र पाठ के लिए देर से आते थे, लेकिन संस्थापक ने सदा उसे एक निर्धारित समय पर प्रारंभ किया। यह देखते हुए कि उन्होंने ऐसा नियमानुसार करते थे, हमें यह सोचकर धक्का लगा, “वे वास्तव में शिक्षा में विश्वास करते थे।” मुझे अब विश्वास हो गया कि संस्थापक भी अपने शरीर के साथ शिक्षा दे रहे थे।

इन तरीकों से, बचपन की शिक्षा माता-पिता की अपनी जागरूकता और उनके दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। पीछे मुड़कर देखते हुए और अपने स्वयं के जीवन पर विचार विमर्श करते हुए, हम सभी को अपने बच्चों और युवाओं के लिए अच्छा उदाहरण बनाना चाहिए, जो आगे की पीढ़ी को प्रभावित करेगा।

लोगों का पोषण करना और उन्हें अनुकंपा की प्रचुरता से सम्पन्न करना सच्चे अर्थ में मानवीय विकास है

आगामी 11 मार्च को ग्रेट ईस्ट जापान भूकंप का दसवाँ वर्षगाँठ है। चालीस हजार से अधिक लोग ऐसे हैं जिन्हें अपने घरों को छोड़ना पड़ा था। परमाणु ऊर्जा-संयंत्र की आपदा के कारण, बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी थे, जो अपने गृहनगर नहीं लौट पाए हैं। हमारा मन उन लोगों की ओर जाता है, जो अब भी दुःख झेल रहे हैं। हम हमेशा अपने आप से पूछते हैं कि हमें, क्या करने की ज़रूरत है और हमें, उनके अपने जीवन के पुनर्निर्माण में मदद करना जारी रखना चाहिए।

उस भूकंप आपदा के समय, मैंने एक प्राचीन चीनी पुस्तक से एक कहावत को उद्धृत किया। “अनाज के बीज बोना एक वर्ष की योजना के लिए सबसे अच्छा है; पेड़ लगाना दस वर्ष की योजना के लिए सबसे अच्छा है; और एक आजीवन योजना के लिए मानव के उत्थान से अधिक, कुछ भी नहीं है।” मेरा मानना है कि एक बेहतर समुदाय के निर्माण में किसी भी चीज़ की तुलना में मानव विकास अधिक महत्वपूर्ण है।

हमें वैसे मनुष्यों को उठाना चाहिए, जिनमें नहीं केवल बुद्धि और तर्क है, बल्कि मानव मन की सूक्ष्मताओं को समझने के लिए भावना और तर्क के साथ, दयालुता है। यदि हम ऐसा करने में विफल रहते



हैं, तो यह सच्चे अर्थों में मानव विकास के लिए नहीं होगा, और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज का निर्माण संभव नहीं होगा।

तेरहवीं शताब्दी के ज़ेन मास्टर दोगेन ने लिखा, “हमें पहले दूसरों को मुक्त होने में मदद करनी चाहिए, भले ही हम स्वयं अभी तक मुक्त नहीं हुए हैं।” दूसरों को ज़रूरत में देखकर हममें उनके लिए कुछ करने की करुणा जागृत होनी चाहिए, भले ही हम असफल रहे हैं या पीड़ित हैं। केवल अपनी खुशी के लिए प्रयास करने के बजाय, हमें सभी लोगों की मुक्ति के लिए प्रयास करना चाहिए। हमें सिखाया जाता है कि इस मानसिकता में बोधिसत्व की भावना रहती है।

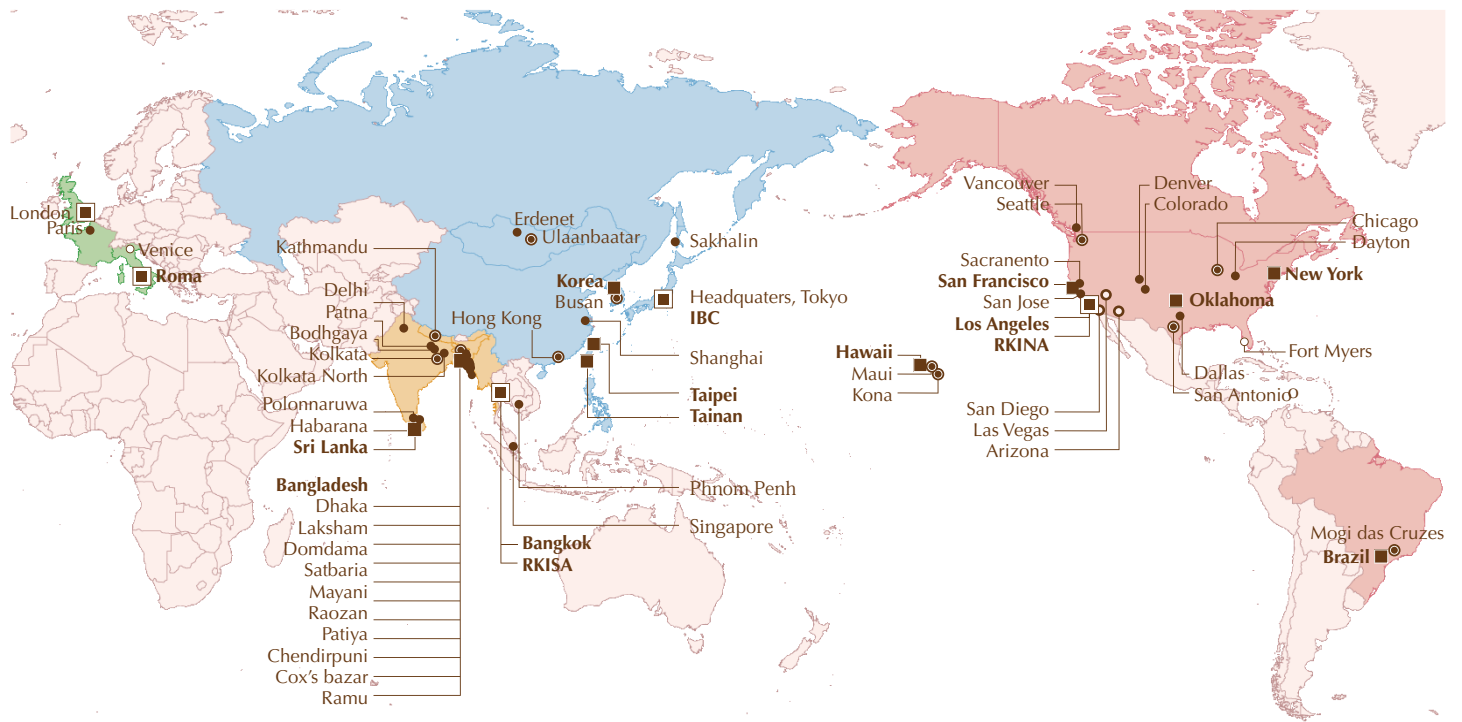
दूसरे शब्दों में, पति और पत्नी, पिता और माता, माता-पिता, और हमारा पूरा संघ हमारे बच्चों की परवरिश की भूमिका में साझा करते हैं, जिससे कि दूसरों के लिए भावना और एहसास की प्रचुरता मिले, जो कि रिश्थो कोसेइ काइ के आदर्शों में से एक है – “अपने से पहले दूसरों को रखें।” मैं चाहूँगा कि आप सभी इस प्राथमिक लक्ष्य को पाने के लिए अपनी शक्ति लगायें।

और इस वर्ष के लिए भी मेरी इच्छा है कि हम एक-दूसरे को इस कठिन परिस्थिति से उबरने के लिए हम परिवार और संघ के बंधन को गहरा करके प्रयास कर रहे हैं।

(कोसेइ शिंबुन से 3 जनवरी, 2021)



Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 POBox 33636, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org URL: <http://www.rksf.org>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓國立正佼成會

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會

台灣台南市崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact RiKISA

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL/FAX: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni,

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/RKUnitedKingdom>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>